जवाई बांध के एक साथ आठ गेट खोले, जालोर में बाढ़ की आशंका

कुल 13 गेट वाले जवाई बांध में पानी की आवक लगातार होने से और गेट खोले जा सकते हैं

जालोर/सुमेरपुर, (निसं)। पश्चिमी राजस्थान में मानसून की सक्रियता के चलते शनिवार को मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहने से नदी, नाले व बांधों में पानी की आवक तेज गति से देखी गई। पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े बांध जवाई में पानी की आवक लगातार जारी रहने से बांध ओवरफ्लो हो गया, जिसके चलते जवाई बांध के आठ गेट खोले गये। ऐसे में एक साथ

पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े जवाई बांध में पानी की आवक लगातार जारी रहने से बांध के आठ गेट खोले गये।

- मूसलाधार बारिश से बांकली बांध, वणधर व बांडी सिणधरा सहित कई बांधों में पानी आने से बांध ओवरफ्लो की कगार पर

नौ गेट बांध के खोलने से जालोर में हालात बाढ़ के बन सकते हैं।

मौसम विभाग के अलर्ट के बाद शनिवार को दिनभर बारिश का दौर जारी रहा, जिसके चलते जालोर की जवाई नदी, सुकड़ी नदी, आकोली नदी में पानी की आवक तेज गति से देखी गई। वहीं जिले के बांकली बांध, वणधर व बांडी सिणधरा सहित कई बांधों में पानी आने से बांध ओवरफ्लो की कगार पर है। वहीं भेटाला, नबी, हरजी सहित कई नालों में पानी आने से गांवों का सम्पर्क कट गया। जालोर में दिनभर कभी तेज तो कभी मूसलाधार बारिश होने से जगह-जगह पानी भर गया।

वहीं शहर निचली कॉलोनियों में निकासी नहीं होने से पानी भर जाने कॉलोनियों जलमग्न हो गई। वहीं जवाई बांध ओवरफ्लो होने से आनन-फानन में आठ गेट खोले, जिससे जवाई नदी के आसपास रहने वालों को बाढ़ के हालात से सामना करना पड़ सकता है। शनिवार को महज चार घंटों के भीतर जवाई बांध के एक बाद एक आठ गेट खोले गये। कुल 13 गेट वाले जवाई बांध के दोनों किनारे वाले 1-1 गेट तकनीकी कारणों से कभी नहीं खोले जाते हैं, जबकि इस बार शेष 11 गेट में से 8 गेट बड़े स्तर पर खोले गये हैं। जवाई बांध के गेट नंबर गेट 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9 व 10 को 6-6 फिट खोला गया है। जवाई बांध में पानी की आवक लगातार होने से और गेट खोले जा सकते हैं। ऐसे में एक साथ आठ गेट बांध के खोलने से जालोर में हालात बाढ़ के बन सकते हैं।

जालोर के जनप्रतिनिधियों की विफलता से जवाईबांध के गेट पहले नहीं खोले, हमेशा की तरह इस बार बाढ़ के हालात का सामना करना पड़ सकता है। लगातार बारिश के बाद जवाई बांध में पानी आवक होने से जालोर की जनता ने 55 फीट पर ही पानी छोडने की मांग की, लेकिन पानी नहीं छोड़ा, आखिर बांध ओवरफ्लो होने पर पानी छोड़ने से जालोर को बाढ़ की स्थिति में धकेल दिया।

आऊवा की लीलकी नदी उफान पर, ग्रामीणों में खुशी

आऊवा गांव में हर ओर हरियाली और पानी ही पानी नजर आ रहा है

गांव आऊवा की प्रमुख लीलकी नदी वर्षों बाद तीव्र वेग से बहती नजर आ रही है।

पाली, (निसं)। जिले के ऐतिहासिक गांव आऊवा में इस वर्ष मानसून ने एक बार फिर से अपने पूरे प्रभाव के साथ दस्तक दी है। लगातार हो रही अच्छी बारिश के चलते गांव की प्रमुख लीलकी नदी वर्षों बाद तीव्र वेग से बहती नजर आ रही है, जिससे ग्रामीणों में उत्साह और आनंद का माहौल है। अरावली की तलहटी में बसे इस सुरम्य गांव में हर ओर हरियाली और पानी ही पानी नजर आ रहा है।

ग्रामीण जमाल बाबू सिपाही ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार मानसून की बारिश से कुंडल सरोवर पूरी तरह से लबालब हो गया है। वहीं लीलकी नदी का जलस्तर भी खासी ऊंचाई पर पहुंच गया है। यह स्थिति वर्षों बाद देखी जा रही है। लीलकी नदी के उफान से न सिर्फ गांव का प्राकृतिक सौंदर्य निखर उठा है, बल्कि इसके बहाव से आसपास के कुओं और जल स्त्रोतों का जलस्तर भी बढ़ने की पूरी संभावना है, जो क्षेत्र के किसान भाइयों के लिए वरदान साबित होगा।

नदी की यह भव्य स्थिति देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं, जिससे यह स्थान एक प्राकृतिक दर्शनीय स्थल बन गया है। आऊवा ग्राम तीन ओर से जल स्त्रोतों से घिरा हुआ है। सूकड़ी और लीलकी नदियां दो ओर हैं, जबकि तीसरी ओर बड़ा तालाब स्थित है, जो अब पूरी तरह से भर चुका है। गांववासियों की मानें तो ऐसा अद्भुत नजारा कई वर्षों के बाद देखने को मिला है, जिससे क्षेत्र में एक नई ऊर्जा और आशा का संचार हुआ है।

गांधी सागर डेम से पानी की निकासी शुरु की, चंबल में उफान से अलर्ट

गांधी सागर डेम में लगातार पानी की आवक बनी हुई है।

कोटा, (निसं)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित चंबल नदी के सबसे बड़े बांध गांधी सागर डेम में लगातार पानी की आवक बनी हुई है। डेम का जलस्तर 1308.07 फीट तक पहुंच गया है। इसी वजह से लेवल मेंटेन करने के लिए गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू कर दी गई है। इसके चलते राजस्थान के चित्तौड़गढ़ , कोटा और धौलपुर तक चंबल नदी में तेज बहाव रहेगा। इसको देखते हुए कोटा जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है और निचली बस्तियों में एहतियातन कदम उठाए जा रहे हैं।

- चित्तौड़गढ़, कोटा और धौलपुर तक चंबल नदी में तेज बहाव रहेगा, कोटा प्रशासन ने अलर्ट जारी किया

जल संसाधन विभाग के कंट्रोल रूम प्रभारी और सहायक अभियंता नीतिका पारेता ने बताया कि शनिवार दोपहर 3 बजे गेट खोलकर 57339 क्यूसेक पानी की निकासी शुरू की गई है। गांधी सागर डेम की भराव क्षमता 1312 फीट है जिसमें कुल 7164.94 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी आ सकता है। फिलहाल डेम में 6449.32 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी पहुंच चुका है। वर्तमान में 1.65 लाख क्यूसेक पानी की आवक हो रही है इसलिए गेज 1308 फीट पर ही गेट खोल दिए गए हैं। चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा में स्थित राणा प्रताप सागर बांध से करीब 66 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं, बूंदी जिले के जवाहर सागर बांध से भी गेट और मशीन के जरिए पानी डिस्चार्ज हो रहा है। नीतिका पारेता ने बताया कि पानी कोटा बेराज पहुंचने के बाद कोटा बैराज से पानी छोड़ा गया। पानी की स्थिति को देखते हुए चंबल की नयापुरा छोटी पुलिया पर यातायात को बंद कर दिया गया है। साथ ही बहाव क्षेत्र से लोगों को दूर रहने की मुनादी करवाई गई है।

आयड़ नदी के बीच फंसे युवक को बचाया

उदयपुर, (कासं)। भारी बारिश के चलते उफान पर आई आयड़ नदी के बीच फंसे युवक को सात घंटों की मशक्कत के बाद आखिरकार सुरक्षित बचाने में सफलता मिली।

जानकारी के अनुसार हिरण मगरी क्षेत्र में एफसीआई गोदाम के समीप आयड़ नदी के बीच एक युवक फंस गया। इस बीच नदी का बहाव तेज हो गया, जिससे वह युवक बाहर नहीं आ सका। खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर जिला कलेक्टर के निर्देश पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपेंद्रसिंह राठौड़ मौके पर पहुंचे। प्रशासन, पुलिस, सिविल डिफेन्स की टीमें भी मौके पर पहुंची तथा बचाव कार्य शुरू किए। नदी का बहाव बहुत तेज होने से सफलता नहीं मिली। इस पर मीडियाकर्मी ताराचंद गवारिया और ड्रोन पर्सन कुलदीप परमार की मदद ली गई। उन्होंने ड्रोन की सहायता से पतली रस्सी नदी के बीच फंसे युवक तक पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन दो बार असफल रहे। तीसरी बार में रस्सी युवक तक पहुंच गई। इस रस्सी की मदद से युवक तक लाइफ जैकेट और ट्यूब पहुंचाई गई। इस बीच जिला कलेक्टर नमित मेहता, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा भी मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए सेना की भी मदद ली गई। आर्मी के ड्रोन से मोटी रस्सी युवक तक पहुंचाई गई। इसके बाद लाइफ जैकेट व ट्यूब के सहारे युवक को रस्सी से खींचकर बाहर निकाला जा सका।

घग्घर नदी में 5747 क्यूसेक तक पहुंचा पानी का स्तर

अनूपगढ़, (निसं)। घग्घर नदी में शनिवार को पानी की मात्रा बढ़ कर 5747 क्यूसेक तक पहुंच गई है। पिछले कुछ दिनों से नदी में 5 हजार क्यूसेक पानी चल रहा था। दो दिनों में करीब 750 क्यूसेक पानी की वृद्धि हुई है।

पानी भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय मजनू पोस्ट तक पहुंच चुका है। एसडीएम सुरेश राव ने बॉर्डर क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने हल्का पटवारी सहित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रखा है। एसडीएम ने बताया कि सबसे अधिक नुकसान की आशंका गांव 28 ए और पुराना बिजोर में है। गांव 28 ए में लगभग 50 घर हैं। पुराना बिजोर में 100 से अधिक घरों की आबादी है। पुराना बिजोर निचले इलाके में होने के कारण यहां खतरा ज्यादा है।

डूंगरपुर के निठाऊवा में साढ़े तीन इंच बारिश

डूंगरपुर शहर सहित गांवों में बरसात से नदी-नाले उफान पर रहे।

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर शहर सहित गांवों में शुक्रवार रात से जारी बारिश का दौर शनिवार को भी दिन भर चलता रहा और भाद्रपक्ष की समाप्ति के पूर्व ही मेघों ने ऐसा मलहार गाया कि नदी, नाले, अपनी भराव क्षमता को पार करके छलक उठे जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कस्बो में कई वर्षो से खाली पड़े तालाब व बांध ओवरफ्लो हो गये। शनिवार को अल सुबह से जारी बारिश के कारण पक्के व कच्चें घरों की छतें भी टपकने लगी जिसके कारण सामान्य जन जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। इधर खुमानसागर, बिलडी, कुशालमगरी से कुछ रास्ते खुलने के कारण पानी की आवक धड़ल्ले से हो रही है, जिसके कारण गेपसागर जलाशय का उखड़ा हुआ पैदा अब पूरी तरह पानी की चादर से ढक गया है और गेपसागर जलाशय की सीढ़ियों पर भी पानी आने लग गया है।

शनिवार प्रात: से ही जिलेभर में मूसलाधार व रूक-रूक कर हो रही बरसात के कारण सड़कों पर दरिया की तरह पानी बहने लगा। शहर के कई कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति हो गई, जिससे लोगों को परेशानी हुई। वहीं बारिश के बाद से डूंगरपुर के बांध, तालाब उफान पर बह रहे हैं। वहीं सोम कमला आंबा बांध से भी पानी की निकासी हो रही है। बेणेश्वर धाम पिछले 10 दिन से ज्यादा वक्त से टापू बना हुआ है। निठाऊवा में सबसे ज्यादा 82 एमएम बरसात हुई है। डूंगरपुर में शनिवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में डेढ इंच बरसात हुई। निठाउवा में साढे 3 इंच, 82 एमएम, सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र में 40 एमएम, धम्बोला में 42 एमएम, सागवाडा में 27 एमएम डूंगरपुर में 38 एमएम, आसपुर में 50 एमएम, चिखली में 21 एमएम, गलियाकोट में 41 एमएम, देवल में 32 एमएम, गणेशपुर में 9 एमएम, कनबा में 14 एमएम, साबला में 22 एमएम, वेंजा में 42 एमएम बारिश हुई।

इधर तेज बारिश के बीच डूंगरपुर से धम्बोला क्षेत्र के खांडिया किशनपुरा पुलिये पर बीओबी के बैंक मैनेजर बैंक जल्दी जाने की होड में पुल पर पानी बहने के बावजूद अपनी कार को लेकर सुरक्षित निकलने की जुग्गत में फंस गया कार तेज पानी के बहाव के साथ बहने लगी, लेकिन सड़क किनारे बने सेफ्टी पिल्लर ने बैंक मैनेजर की कार को रोक लिया। इधर किनारे पर खड़े लोगों ने तत्काल ट्रेक्टर लेकर पहुंचे और बैंक मैनेजर तथा उसकी कार को सुरक्षित किनारे पर पहुंचाया।

सड़कों पर कटाव से दूदू-मालपुरा मेगा हाइवे पर वाहनों की आवाजाही छह दिन से बाधित

मकानों व दुकानों में पानी भर जाने से दीवारों में दरारें पड़ने लगी

दूदू, (निसं)। उपखंड के अधीन गांवों में लगातार हो रही बरसात के कारण जनजीवन अस्त- व्यस्त हो रहा है। गांवों में आने-जाने के रास्ते अवरूद्ध हो जाने पर भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मकानों व दुकानों में पानी भर जाने से दीवारों में दरारें पड़ने लगी है। दूदू मुख्यालय पर वार्ड 14 में फारुख नागोरी व वार्ड नंबर 9 में राजू का मकान गिर जाने से नुकसान हो गया इस दौरान घर में कोई नहीं था इससे जनहानि नहीं हुई। क्षेत्र में तेज बहाव व सड़कों पर कटाव के कारण दूदू-मालपुरा मेगा हाइवे पर करीब छह दिन से वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है। वहीं ममाणा क्षेत्र के भूतिया बांध की पाल टूट जाने पर नरेना-रूपनगढ़ हाइवे पर पानी भर जाने से आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर उपखंड अधिकारी रमेश कुमार तहसीलदार मदन परमार ने पहुंचकर

- बरसात के कारण गांवों में आने-जाने के रास्ते अवरूद्ध हो जाने पर भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मिट्टी के कट्टे डलवाकर पानी को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सेवा गांव में जल भराव वाले क्षेत्र का जायजा लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद करने के निर्देश दिए तथा पीड़ित परिवारों को राशन के किट वितरण किए। इस दौरान उपखंड अधिकारी बलवीर सिंह तहसीलदार सुरेंद्र विश्नोई एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। क्षेत्रीय किसानों ने बैरवा को ज्ञापन पेश कर बरसात से खराब फसलों का सर्वे कराया जाकर मुआवजे की मांग की है।

भीलवाड़ा जिले में बरसात से बिगड़े हालात, मेजा बांध का गेज 23 फीट पहुंचा

भीलवाड़ा शहर में साढ़े चार, खारी बांध पर सवा पांच, कोठारी बांध पर छह, बनेड़ा में सवा छह इंच बरसात हुई

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के मांडल क्षेत्र में बारिश का कहर शुक्रवार रात से जारी है। अभी तक मांडल में 107 एमएम (सवा चार इंच) बारिश हो चुकी है। रातभर चली बारिश ने सभी के हाल बेहाल कर दिये। मानसून की औसत बारिश 601 एम एम होती है, इसके बजाय इस बार 813 एम एम बारिश हो चुकी है यानी अभी तक 360 एम एम अधिक बारिश हो चुकी है। पिछली रात को ज्यादातर जगहों पर ढाई से साढ़े चार इंच बारिश हुई है। अकेले भीलवाड़ा शहर में ही साढ़े चार इंच बारिश हो गयी। इसके अलावा खारी बांध पर 132 एम एम (सवा पांच इंच), कोठारी बांध पर 154 एम एम (छह इंच), बनेड़ा में 156 एम एम (सवा छह इंच), कोटड़ी में 122 (करीब सवा पांच इंच), मांडल में 107 एमएम (सवा चार इंच) बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अभी भारी बारिश की स्थिति बनी हुई है। इसको लेकर अलर्ट भी जारी कर दिया। यहां तक कि कलेक्टर ने भी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात से जारी बरसात के चलते मांडल कस्बे के मीणा मोहल्ला, गणगौर घाट के समीप मकान ढह गया। फ़िलहाल कोई जनहानि होने की सूचना नहीं है, लेकिन मकान ढहने से आस पास के घरों में दिक्कत हो सकती है। मकान मालिक नारायण मीणा ने बताया कि सूचना के बावजूद एक घंटे बाद भी प्रशासन की टीम नहीं पहुंची है। इस कारण कस्बेवासियों में रोष बना हुआ है। वहीं जिले सबसे बड़े बांध मेजा डेम में पानी की आवक जारी है। इससे बांध का गेज 23 फीट पहुंच गया है। बांध की कुल भराव क्षमता 30 फीट है। वहीं रात भर में लगातार हो रही बारिश से उपखंड के बागोर क्षेत्र के जलाशयों में पानी की आवक जारी है। बारिश से समेलिया के तालाब की पाल टूट गई।

कोटड़ी में भी बिगड़े हालात : भीलवाड़ा जिले के कोटड़ी क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बरसात का पानी गांव-गांव से होकर बहने लगा है और मुख्य रास्तों पर भी तेज बहाव से हालात बिगड़ रहे हैं। शुक्रवार देर रात जहाजपुर से कोटड़ी की ओर आ रही एक पिकअप गाड़ी बिरधोल पुलिया पर फंस गई।

बिरधोल निवासी कमलेश ने बताया कि रात करीब 12 बजे पुलिया पर पानी का बहाव बहुत तेज था। पुलिया पहले से ही क्षतिग्रस्त होने के कारण पिकअप गाड़ी बीच में अटक गई। स्थिति इतनी खतरनाक थी कि गाड़ी चालक और खलासी दोनों की जान पर बन आई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाई तो ड्राइवर और खलासी सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। प्रशासन और पुलिस की अपील के बावजूद कई वाहन चालक खतरे को नजरअंदाज कर पुलिया पार करने की कोशिश करते हैं, जिससे बड़ा हादसा कभी भी हो सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पुलिया की मरम्मत और सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की मांग की है।

वहीं भीलवाड़ा जिले के कारोई थाना क्षेत्र स्थित भोपालगढ़ गांव में तेज बारिश के कारण बनास नदी और गुरला तालाब के पानी में एक युवक बह गया। स्थानीय ग्रामीण युवकों ने अपनी जान पर खेल कर युवक की जान बचाई। जानकारी के अनुसार गांव का ही निवासी विकलांग विष्णु लाल कीर अपने खेत पर गया हुआ था। अचानक से बनास नदी और दो गांवों के बीच से गुजर रहे गुरला तालाब के पानी की तेज आवक से युवक तेज बहाव में बह गया और पानी के बीच एक पेड़ के सहारे मदद की गुहार लगाने लगा। मौके पर पहुंचे रफीक बिसायती, शेर मोहम्मद, जफर मीर, किशन किर, बद्रीलाल और अन्य ग्रामीणों ने आपसी सूझबूझ से युवक की जान बचाई।

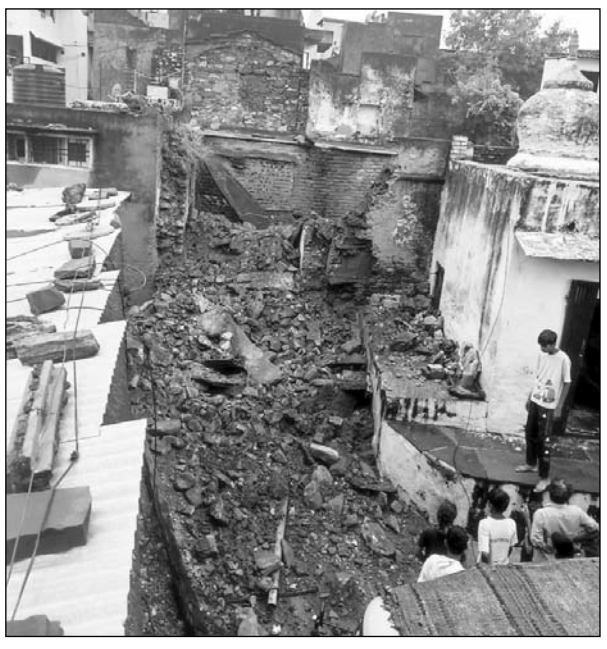

मांडल के मीणा मोहल्ला, गणगौर घाट के समीप मकान ढह गया।

भीलवाड़ा शहर में बरसात के चलते कई जगह जल भराव हो गया।

- कोटड़ी, मांडल क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया
- भोपालगढ़ गांव में बनास नदी और गुरला तालाब के पानी में युवक बहा, लोगों ने बचाया

बांसवाड़ा में वर्षा का दौर जारी

बांसवाड़ा, (निसं)। जिले में वर्षा का दौर जारी है कभी रूक-रूक कर तो कभी तेज वर्षा हुई।

जानकारी के अनुसार जिले में सर्वाधिक वर्षा घाटोल के भूंगड़ा केन्द्र पर 15 मिमी. दर्ज की गयी। आंबापुरा व लोहारिया में सात-सात मिमी, बांसवाड़ा में 6, छोटी सरवन में 5, घाटोल में 2, गनोड़ा में 4, गढ़ी में 22 मिमी., अरथूना 5, आनंदपुरी 1, गंगाड़तलाई 10, कुशलगढ़ 3 एवं सज्जनगढ़ में 10 मिमी. वर्षा दर्ज की गयी। संभाग के सबसे बड़े माही बांध के 6 गेट डेढ़-डेढ़ मीटर खुले हैं।